

2626322

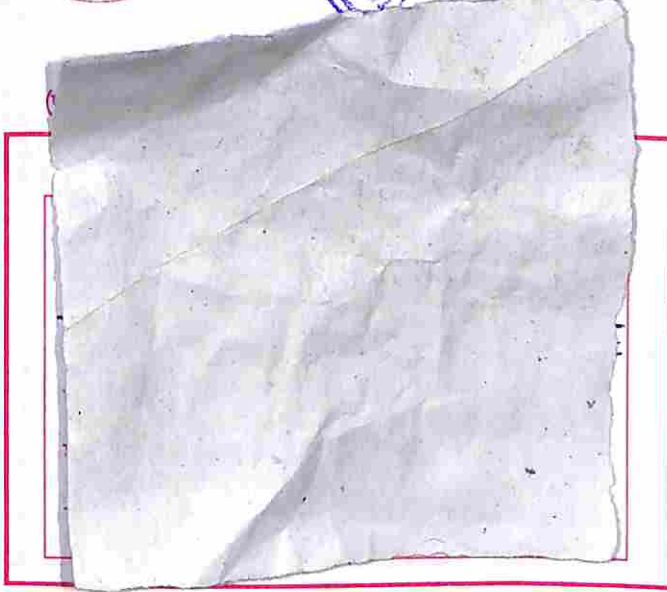
कुल पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज सहित)

कम संख्या



# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा



नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी  अंग्रेजी

विषय कृषि रसायन विज्ञान

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 11/04/2022

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	09	19	04
2	04	20	04
3	08	21	
4	1½	22	
5	1½	23	
6	1½	24	
7	1½	25	
8	1½	26	
9	1½	27	
10	1½	28	
11	1½	29	
12	1½	30	
13	1½	31	
14	1½	योग	56
15	1½	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	03	अंकों में	शब्दों में
17	03	56	दुम्पन
18	03		

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक 36180

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।168/2021



### परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
  - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
  - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
  - (iii) परीक्षा केंद्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
  - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
  - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड - अ)

- (1) 1. (i) गोबर की खाद (ब) ✓
- (1) (ii) एमाइड (अ) ✓
- (1) (iii) N, P, K (ब) ✓
- (1) (iv) 7.0 से कम (अ) ✓
- (1) (v) 6.5 से 7.5 (स) ✓
- (1) (vi) 200 Cmol kg<sup>-1</sup> (ब) ✓
- (1) (vii) 3 (अ) ✓
- (1) (viii) रिजका (स) ✓
- (1) (ix) चूना-पत्थर (ब) ✓

2.

- (1) (i) मृत्तिका कणों पर सूक्ष्म/सूक्ष्वात्मक आवेश पाये जाते हैं।
- (1) (ii) ह्यूमस का कार्बन-नाइट्रोजन अनुपात लगभग 10:1 होता है।

परीक्षक द्वारा  
प्रश्न अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(1)

(iii) माइक्रोराइजा मृदा से लगातार फास्फोरस (पोषक तत्व) अवशोषित करता है।

(1)

(iv) सामान्यतः गाय के दूध में 4.9 प्रतिशत लैक्टोज पाया जाता है।

(1)

3.

(i) चूना पत्थर, बालू पत्थर।

(1)

(ii) जिस तत्व पर विद्युत आवेश होता है, उसे आयन कहते हैं।

(1)

(iii) 9.3 किलो कैलोरी ऊर्जा।

(1)

(iv)  $\text{CaSO}_4 \cdot 2\text{H}_2\text{O}$  (कैल्शियम सल्फेट)

(1)

(v) डी. आर. नान ने।

(1)

(vi)  $\text{NH}_2\text{CONHCONH}_2$  (बाइयूरेट)





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

7

(पाँ) आइसीनिया फोइटिडा

(पाँ) ताजे दूध का pH मान 0.11 से 0.14 होता है, कभी-कभी यह 0.13-0.14

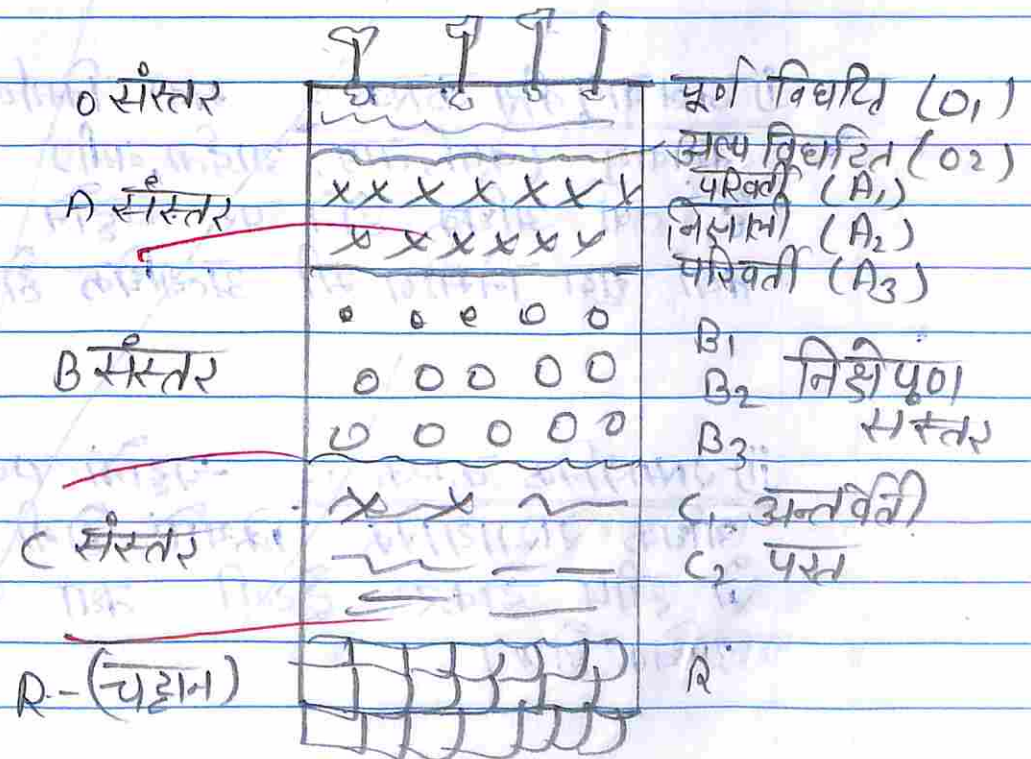
1

(पाँ) ताजा दूध का हल्का अम्लीय होता है, इसका pH मान लगभग 6.7 या 6.8 होता है।

(खण्ड - ब)

4.

15



मृदा परिच्छेदिका



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

मृदा का अध्वर (अड़ा) काट लगाने पर मृदा में विभिन्न समानान्तर संस्तर पाए जाते हैं, इन्हें मृदा परिच्छेदिका कहते हैं। इसमें O, A, B, C व R संस्तर पाए जाते हैं।

इ. मृदा निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं -

- i) जलवायुवीय कारक
- ii) रासायनिक कारक
- iii) भौतिक एवं जैविक कारक

i) जलवायुवीय कारक :- मृदा निर्माण सतत रूप से जलवायु (वर्षा, ताप, आर्द्रता, नमी) से प्रभावित होता है, वर्षा अधिक होने पर चट्टानें अधिक विच्छेदित होंगी तथा मृदा निर्माण भी अत्यधिक होगा।

ii) रासायनिक कारक :- चट्टानों एवं वातावरण में जितनी अधिक रासायनिक क्रियाएँ होंगी चट्टानें तीव्र गति से क्षीण होकर द्रव्यी तथा मृदा निर्माण भी अधिक होगा।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

iii) जैविक कारक :- सूक्ष्मजीवी, फंजाई, बैक्टीरिया, एल्गी आदि मृदा निर्माण की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं।

6. क्ले की मात्रा एवं प्रकार :-

सिलिकेट क्ले की मात्रा एवं उसका प्रकार धनायन विनिमय को प्रभावित करता है।

जैसे :- मोन्टमोरिलोनाइट समूह के क्ले मृदा में धनायन विनिमय सर्वाधिक होता है, अतः इसकी CEC सर्वाधिक होती है,  $60-100 \text{ C-mol kg}^{-1}$  (80 औंसतन)।

तथा कैओलिनाइट समूह की धनायन विनिमय क्षमता सबसे कम  $3-15 \text{ C-mol kg}^{-1}$  व इलाइट क्ले की  $20-40 \text{ C-mol kg}^{-1}$  होती है। अतः जिस मृदा में मोन्टमोरिलोनाइट अधिक होगी उसकी CEC भी अधिक होगी।

अतः हम कह सकते हैं कि मृत्तिका (clay) की मात्रा एवं प्रकार धनायन विनिमय क्षमता (CEC) को प्रभावित करता है।

7. धनायन विनिमय क्षमता एवम मृदा उर्वरता :-

एक किलोग्राम शुष्क मृदा द्वारा H<sup>+</sup> आयन या इसके समतुल्य अन्य धनायन को अधिशेषित ग्रहण करने की क्षमता को 'धनायन विनिमय क्षमता' कहा जाता है।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

यदि मूदा में  $Mg^{+2}$  आयन्स को  $Ca^{+2}$  आयन्स द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है, तो मूदा की संरचना में सुधार होता है, तथा मूदा उर्वरता में वृद्धि होती है, जिससे मूदा में उपजाऊपन बढ़ता है।

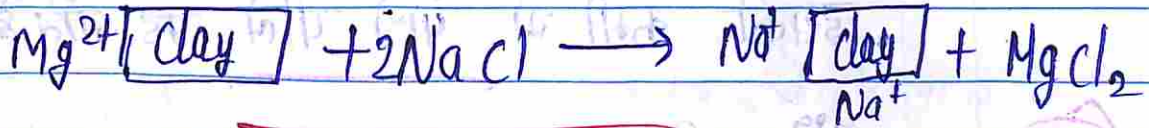
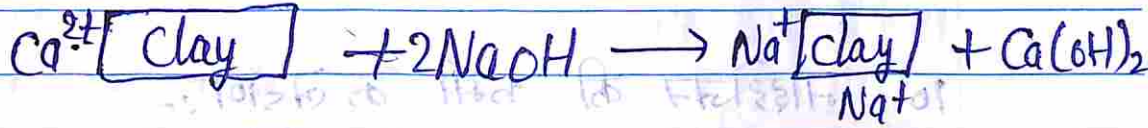
11/2  
जिन मूदाओं में ग्रूम विनिमय अधिक होता है, वहाँ  $Na^+$  आयन अन्य धनायनों को प्रतिस्थापित कर मूदा pH को बढ़ाता है, जिससे मूदा उर्वरता में कमी आती है, तथा पौधों की सन्तुलित वृद्धि नहीं हो पाती।

मूदा उदासीन pH 6.5-7.5 के मध्य अधिक उर्वर होती है।

### 8. शारीयकरण :-

11/2  
जब मूदा संकीर्ण पर भस्मों का विनिमय होता है, तो कैल्शियम, मैग्नीशियम एवं पोटेशियम आयन्स के साथ-साथ सोडियम ( $Na^+$ ) आयन्स भी प्रतिस्थापित हो जाते हैं, एवं मूदा संकीर्ण पर एकत्रित होने लगते हैं, जिससे मूदा में शारों की मात्रा बढ़ने लगती है, एवं मूदा कस में शारों का बढ़ना एकत्रित होना शारीयकरण कहलाता है।  
सोडियम द्वारा अन्य धनायनों को प्रतिस्थापित करना



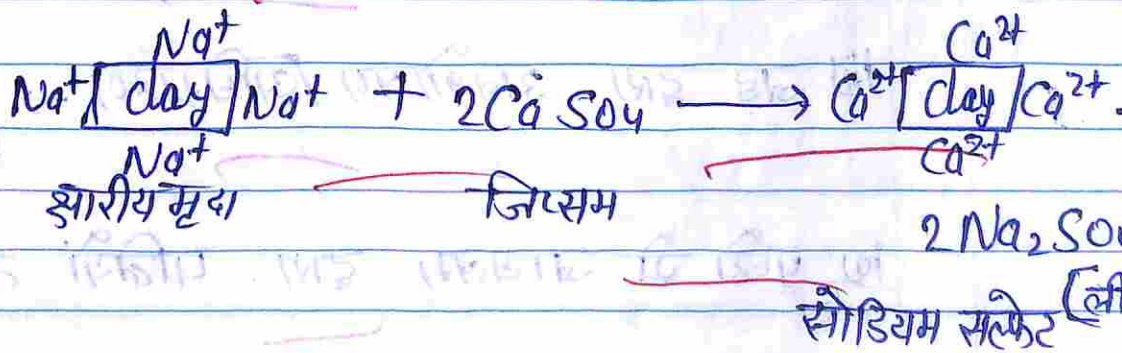


9. झारीय मृदा में जिप्सम की अभिक्रिया -

झारीय मृदाओं के सुधार हेतु जिप्सम का प्रयोग किया जाता है।

→ जिप्सम में उपस्थित कैल्शियम झारीय मृदाओं में प्रबलता से उपस्थित सोडियम (Na<sup>+</sup>) आयनस को प्रतिस्थापित कर देता है।

→ सोडियम आयनस जिप्सम के कैल्शियम आयनस से क्रिया कर सोडियम सल्फेट बनाता है, जो लीचींग (निक्षालन) द्वारा नष्ट हो जाता है।



1/2



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

10. नाइट्रोजन की कमी के लक्षण :-

• इसकी कमी से पौधे पीले पड़ जाते हैं।

• पौधे की बढ़वार एवं वृद्धि रुक जाती है।

• इसकी कमी के लक्षण पुरानी एवं नीचली पत्तियों पर प्रदर्शित होते हैं।

• दाने सुडौल नहीं होते, तथा कल्ले कम फूटते हैं।

11. पोषक तत्व के पादप द्वारा अधिग्रहण की क्रियाविधि

i) कले क्रिस्टल से मृदा विलयन में।

ii) मृदा विलयन से जड़-पृष्ठ तक आयन प्रतिस्थापन

iii) जड़ द्वारा अवशोषण अधिग्रहण →  $\rightarrow$  सक्रिय

iv) निष्क्रिय

v) पृष्ठ से जायलम द्वारा पत्तियों तक संवहन।





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

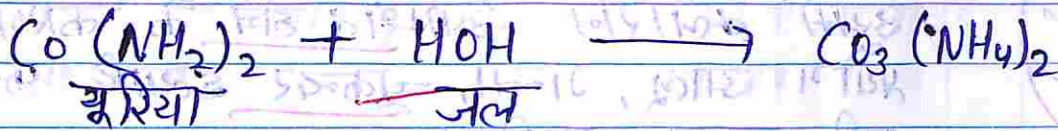
प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

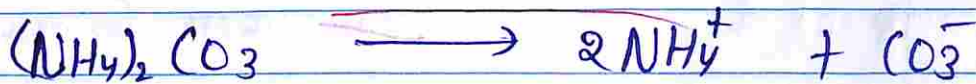
12. यूरिया की मृदा अभिक्रिया:-

यूरिया में नाइट्रोजन एमोइड के रूप में होती है।

यूरिया मृदा में डालने पर जल से अभिक्रिया करता है-



→ यह अमोनियम तथा कार्बोनेट आयन में विघटित हो जाता है-



→ अमोनियम आयन मृदा संधीर्ण पर अधिशोषित हो जाते हैं, या अल्प मात्रा में जीवाणु द्वारा नाइट्रेट में परिवर्तित कर पौधों को प्राप्त हो जाते हैं।



नाइट्रेट

→ अमोनियम आयन का वायुमण्डल में हास हो जाता है।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

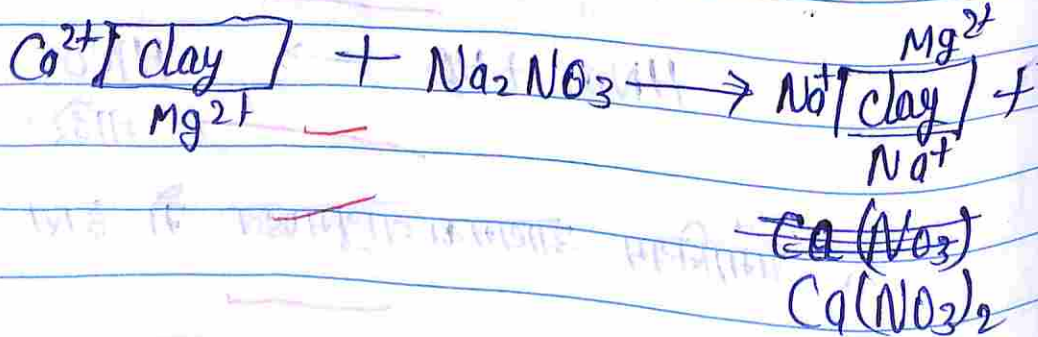
13. म्युरेट ऑफ पोटेश (MOP) :-

- इसे  $K^+$  रूप में ग्रहण किया जाता है।
- इसे खड़ी फसल में ऊर कर या बिखेर कर देना चाहिए।
- इसमें क्लोरिन उपस्थित होने के कारण इसका प्रयोग आलू, गन्ना, चुकन्दर इत्यादि फसलों में नहीं करना चाहिए।
- यह 60% पोटेशियम पौधों को प्राप्त कराता है।
- इसे क्षारीय मृदा में उपयोग नहीं करना चाहिए।

14. सोडियम शुक्त उर्वरक :-

इन उर्वरकों के प्रयोग से मृदा क्षारीय हो जाती है, यह मृदा पर क्षारीय प्रभाव डालते हैं।

धम:- सोडियम नाइट्रेट  $[Na_2NO_3]$



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

इम उर्वकों के प्रयोग से मृदा संरचना खराब होती होती है, मृदा में बड़े-बड़े टुकड़े बन जाते हैं। वायु संचार कम होता है।

(ii) फसलों पर लौह तत्व के अधिक सान्द्रण से फसले ब्रांजिंग (ताँवे जैसी) रंग की हो जाती है, एवं पौधा मर जाता है।

15. सिंगल सुपर फास्फेट (SSP)

क) नमी की मात्रा (अधिकतम) = 1.0 से 1.2%.

ख) कुल फास्फोरस की मात्रा = 16%.

ग) सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल = 4%.

(iii) बलोरिन की कमी से बरसीम में रसोत्कर्षण दाब कम होता है, तथा चौर / सैल्यूलोज की मात्रा कम होती है।





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

5. मृदा निर्माण को निम्न कारक प्रभावित करते हैं

मृदा निर्माण

सक्रिय कारक

निष्क्रिय कारक

जलवायु

जैवमंडल

पैदल पदार्थ

वर्षा

स्थालाकृति

तापक्रम

समय

1/2

1/2

1/2

ESER-168/2021

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड-स) :: उदा. कार्बिक अम्ल

16. द्वूमस के रासायनिक गुण :-

- द्वूमस में कार्बन 50-55%, ऑक्सीजन 30-35%, नाइट्रोजन 5%, हाइड्रोजन 5% उपस्थित होता है।
- द्वूमस का कार्बन नाइट्रोजन अनुपात 10:1 होता है।
- द्वूमस की घनयन विनिमय क्षमता 100-300 Cmol/kg (900 Cmol/kg औसतन) होती है।
- द्वूमस में प्रकणात्मक समूह  $\text{OH}^-$ ,  $\text{COOH}^-$  तथा फिनोलिक हैं।
- द्वूमस की उभय प्रतिरोधन क्षमता अधिक होती है।
- द्वूमस की जल धारण क्षमता एवं पृष्ठीय फैलाव अधिक होता है, तथा इसमें  $\text{C,H,O}$  आधार समूह है।

03

BSER-168/2021





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

17. केओलिनाइट :-

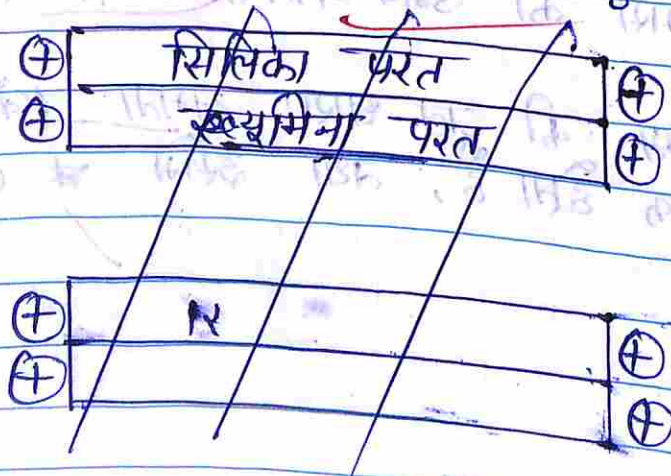
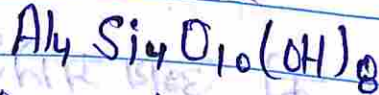
इस समूह में मुख्यतया केओलिनाइट अनिज पाया जाता है।

- इसमें सिलिका एवं रुथेनियम की परत एक के बाद एक लगी होती है, इस संरचना को 1:1 टाइप संरचना कहते हैं।
- इसमें सिलिका एवं रुथेनियम की परत ऑक्सीजन एवं हाइड्रॉक्सिल (OH) आयन से जुड़ी होती है।

- इसमें धनायन विनिमय केवल पर ही होता है, अतः इसकी धनायन विनिमय क्षमता कम, सुघट्यता एवं संकुचन कम होता है।

- इसकी सख्घता एवं चरगम्यता अत्यधिक होती है।

- संरचना सूत्र :-





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

धनात्मक विक्रिया	+	श्लथमिना परत	+
	+	सिलिका परत	+
	+	श्लथमिना परत	+
	+	सिलिका परत	+

↑ कम प्रसारीय दूरी

3/2

केओलिनाइट समूह

18. मृदा पी.एच. का सूक्ष्म जीवों पर प्रभाव :-

मृदा में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों की सक्रियता pH मान के साथ प्रभावित होती है।

- अधिकांशतः सूक्ष्म जीव उदासीन pH पर अधिक सक्रिय रहते हैं।
- बैक्टीरिया 5.5 से कम pH पर सक्रिय/क्रियाशील नहीं होता।
- जबकि 5 से कम pH पर फंजाई आसानी से कार्य कर लेते हैं।
- अतः मृदा pH पर सूक्ष्म की सक्रियता भिन्न pH पर भिन्न तरह से होती है।
- pH मान सूक्ष्म जीवों के अनुकूल रहने यह पौधों के लिए लाभदायक होता है।

3/2





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सूक्ष्म जीव

PH मान

बैक्टीरिया

6.5 - 7.5

एक्टिनोमाइसिटीज

6.5 - 7.5

कवक

3.0 - 9.0

एल्गी

3.0 - 9.0

फंजाई

3.0 - 7.0

BGA  
वैसिडियोमाइसिटीज

5.0 - 8.0

6.5 - 7.5

ISER-68/2021



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
----------------------------	---------------	-------------------

19. दूध का आपेक्षिक घनत्व :-

दूध का आपेक्षिक घनत्व लैक्टोमीटर द्वारा ज्ञात किया जाता है।

→ दूध के इकाई भार आयतन में पानी के समान भार आयतन का अनुपात आपेक्षिक घनत्व कहलाता है।

→ उपकरण एवं सामग्री :-

- ① पेट्री डिश    ② लैक्टोमीटर  
③ बाइथरेट    ④ दूध का नमूना    ⑤ स्क्राजर

विधि :- सर्वप्रथम काम में आने वाली सभी उपकरण को आसूत जल से धो लेते हैं।

→ तत्पश्चात् दूध के नमूने को 10ml एक ल्यूरेट में भर लेते हैं।

→ इसके बाद इसमें मिलाते हैं।

→ इसमें पाठ्यांक को नोट कर लेते हैं।

→ 60° को आसानी से अधिक पाठ्यांक होने पर प्रत्येक 1° के लिए 0.2 बढ़ा देते हैं तथा लैक्टोमीटर पाठ्यांक से संशोधित लैक्टोमीटर (L.R) पाठ्यांक ज्ञात करते हैं।





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

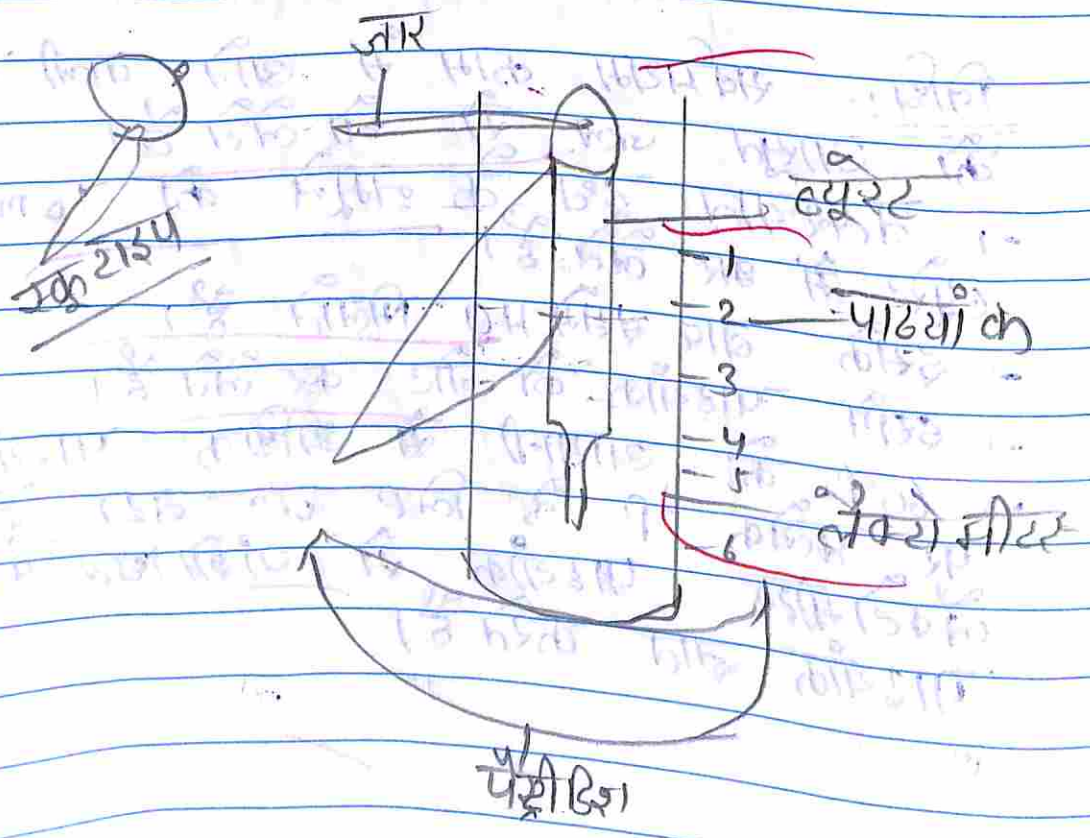
• ज्ञात की गई रिडिंग में 0.5 जोड़कर लिखते हैं। पाठ्यों तक लेते हैं, जब तक अन्तिम दोनों पाठ्यों तक समान न आ जाए।

इसे सूत्र =  $1 + \frac{CLR}{1000}$  से ज्ञात करते हैं।

नमूना	ताप	L.R.	CLR	LA + 4	आपेक्षित धनत्व
A	60°f	30	30.5	30.5	1.32%
B	72°f	32	32.5	34.5	1.345%

04

BSEK/168/2021





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	१०	<p><u>कम्पोस्ट [नोड्य विधि]</u> यह विधि महाराष्ट्र के नोड्य काका कृषक द्वारा विकसित की गई।</p> <p><u>आवश्यक सामग्री:-</u></p> <ul style="list-style-type: none"><li>i) खरपतवार, भूसा, फसल अवशेष = 1400-1500 Kg</li><li>ii) गोबर = 90-100 Kg</li><li>iii) सैनी मिट्टी = 125 Kg</li><li>iv) जल मौसमानुसार = 1750 ली.</li></ul> <p>⇒ इस विधि से <u>कम्पोस्ट</u> खाद तैयार करने के लिए 90-120 दिन का समय लगता है।</p> <p><math>N = 0.4 - 1.35</math> <math>P = 0.5 - 1.5</math> <math>K = 1.2 - 1.4</math></p> <p><u>टैंक तैयार करना:-</u></p> <p>इस विधि के लिए <math>10 \times 6 \times 3</math> (LxBxH) सैमी. का टैंक आयातकर तैयार करते हैं।</p>



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

इसमें इंटों की जुड़ाई मिट्टी से तथा ऊपरी इंटों को सीमेंट से जोड़ते हैं, ताकि टैंक गिरे नहीं।  
→ टैंक में एकान्तर क्रम में 9 इंच तक के छिद्र छोड़े जाते हैं।

→ यह छिद्र पहली, तीसरी, छठी, नवी परत में छोड़े जाते हैं, एक के ऊपर दूसरा छिद्र नहीं आए इस बात का ध्यान रखते हैं।

पहली परत - भूसा, फसल अवशेष (100 kg)

दूसरी परत - गोबर मिला हुआ जल (125 ml)

तीसरी परत - फसल अवशेष

उपरोक्त तीनों परतों के क्रम में टैंक को भरते हैं। तथा सबसे 75-100 सेमी परत को पहली तह से भरते हैं।

लगभग 11 से 12 तहों में टैंक भर जाता है। इसमें नियमित रूप से पानी का छिड़काव करते रहते हैं।

→ कुछ सप्ताह बाद टैंक  $y_2$  से 3/4 इंच बंद



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		जाता है, उसे फिर से इसी क्रम में भरते हैं
		लगभग 90-120 दिन में कम्पोस्ट खाद बनकर तैयार हो जाती है
04		संयोग:- सामान्य फसल में 15-20 टन/हेक्. साखियों में 25 टन/हेक् की दर से संयोग करते हैं
		<del>NO ANSWER</del> 36180
		समाप्त









परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021







परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

USER-108/2021



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

ESSER-168/2021



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक      प्रश्न संख्या      परीक्षार्थी उत्तर

Handwritten text in Hindi, possibly a question or answer.

BSER-168/2021

Handwritten text in Hindi, possibly a question or answer.

Handwritten text in Hindi, possibly a question or answer.



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

